4 अगस्त, 2017

# <u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

# ललित कला अकादमी मनाएगी स्थापना दिवस

किसी भी संस्था के लम्बे इतिहास के प्रति आगामी पीढ़ियों और जनता को आकर्षित करना और उनमे नए विचारों का समावेश करना एक नैसर्गिक गुण है जो उसके सिद्धांतों के रूप में उसमें निहित रहता है। वर्तमान प्रदर्शनी '**चित्रयात्रा**', ललित कला अकादमी द्वारा इतने वर्षों के सफ़र में प्राप्त की गयी उपलब्धियों को लेंस कला के माध्यम से अंकित लगभग सौ चित्रों में प्रदर्शित करेगी। छायाचित्रों के चुने हुए कुछ उत्कृष्ट बिम्बों से सजी यह प्रदर्शनी इसके संस्थापकों के दूरदर्शी सिद्धांतों को दर्शाती है जो कि भारतीय गणराज्य की लोकतांत्रिक प्रणाली की ओजस्विता से प्रेरित थे। उसी प्रकार अकादमी ने भी स्वयं को कला विशेषज्ञों, कला विचारकों और कलाप्रेमियों - जिन्होंने तभी से भारतीय कला के सिद्धांतों को एक राष्ट्रीय और साथ ही अन्तर्राष्ट्रीय भौतिक संस्था के रूप में कल्पित किया था - की प्रतिनिधि संस्था के रूप में ढाला।

5 अगस्त, 1954 को इस अकादमी की आधारशिला रखते हुए तत्कालीन शिक्षामंत्री माननीय अबुल कलाम आज़ाद जी ने कहा था, "इस अकादमी को हमारे इतिहास की स्वर्णिम परम्पराओं को संरक्षित करने के साथ ही साथ हमारे आधुनिक कलाकारों की कला से उन्हें समृद्ध करने का कार्य करना चाहिए। कला के मानकों में सुधार करते रहने के साथ ही लोगों के सौन्दर्यबोध को स्तरीय करने के दिशा में भी अकादमी द्वारा कार्य किया जाना चाहिए। और यदि अकादमी अपने इस उद्देश्य की पूर्ति करती है, जो कि मुझे आशा है कि यह करेगी, तो अकादमी भारत और विश्व के सामने अपनी स्थापना को सार्थक कर पायेगी।"

ललित कला अकादमी इस शनिवार दिनांक 5 अगस्त, 2017 को अपने स्थापना दिवस का आयोजन रबीन्द्र भवन, नई दिल्ली की ललित कला अकादमी कला दीर्घाओं संख्या 5 से 8 में '**चित्रयात्रा**' प्रदर्शनी से करेगी। प्रदर्शनी का उद्घाटन

प्रसिद्द छायाचित्रकार श्री रघु राय जी और ललित कला अकादमी के प्रशासक श्री सि. एस. कृष्ण सेट्टी जी सायं 6 बजे करेंगे।